**<u>लोक सभा</u>**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 4178**

**07 जनवरी, 2019 को उत्तर के लिए**

**आरआईएनएल का कार्यनिष्पादन**

**4178. श्री बी.वी. नाईकः**

**श्री एस. पी. मुद्दाहनुमे गौड़ाः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि आरआईएनएल के सूचीबद्ध करने की प्रविधि पर विचार करने के लिए एक दल ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) का दौरा किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत चार वर्षों के दौरान आरआईएनएल को हो रही हानि के क्या कारण हैं;

(घ) इसके घाटे में आरआईएनएल को रक्षित खदानें प्रदान नहीं करने का योगदान कितना है; और

(ङ) सरकार द्वारा आरआईएनएल के लाभ प्रदता में सुधार करने के लिए क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

**<u>उत्तर</u>**

**इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)**

(क): जी नहीं।

(ख): प्रश्न नहीं उठता।

(ग): वर्ष 2015-16 से हानि के मुख्य कारणों में अन्य बातों के साथ-साथ वैश्विक इस्पात उद्योग में मंदी, सस्ते आयात, प्रतिकूल बाजार परिस्थितियां, इस्पात उत्पादों का न्यूनतम विक्रय प्राप्ति, आयात में बढ़ोत्तरी लौह अयस्क एवं कोकिंग कोल इत्यादि जैसी आधार भूति कच्ची सामग्रियों की, स्वदेशी कीमतें इत्यादि शामिल हैं।

(घ): हानि के प्रमुख कारणों में अन्य बातों के साथ आधारभूत कच्ची सामग्रियों की कीमतों में उतार-चढ़ाव के साथ-साथ लागत भी शामिल है, जिसे उपर्युक्त पैरा (ग) के उत्तर में स्पष्ट किया गया है। आर आई एन एल के मामले में, कच्ची सामग्रियों की लागत कुल व्यय का लगभग 50% है। माइंस एवं मिनरल्स (डेवलपमेंट एण्ड रेग्यूलेशन) एमेंडमेंट एक्ट, 2015 द्वारा यथा-संशोधित है, में राज्य सरकारों को उक्त अधिनियम की धारा 17ए के तहत आरक्षण रूट के जरिये अथवा धारा 10ए के अंतर्गत नीलामी की विधि के जरिये खनन पट्टे प्रदान करने की शक्तियों प्रदान की गई हैं। अतएव, नये खनन पट्टे का आवंटन संशोधित अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार विनियमित होता है।

(ङ): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका सुविधाप्रदाता के रूप में है। आरआईएनएल द्वारा किए गए प्रयासों में संयंत्र की प्रचालनगत क्षमता और लाभप्रदता बढ़ाने के साथ-साथ कोल ब्लेंड्स का अधिकतम उपयोग करना और कोकिंग कोल के विक्रेता आधार को बढ़ाना, कैप्टिव पावर जेनरेशन का अधिकतम उपयोग करते हुए उच्चतर लाभ हेतु उच्च गुणवत्ता वाले मूल्यवर्धित इस्पात का उत्पादन, कीमती कोक, निम्नतर कोक दर, बढ़ी हुई श्रम उत्पादकता के आंशिक प्रतिस्थापन के रूप में ब्लास्ट फर्नेस उत्पादकता पुल्वराईज्ड कोल इंजेक्शन, तटीय नौ परिवहन की उपयोगिता द्वारा लॉजिस्टिकल लागतों को अधिकतम करना, उच्चतर क्षमता वाले वेसल्स की चार्टरिंग करना, बिक्री और विपणन नेटवर्कों को सुदृढ़ बनाना इत्यादि जैसे तकनीकी-आर्थिकी पैरामीटर्स में सुधार करना भी शामिल है।

****